भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.03.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3197 का उत्तर

एबीएसएस के तहत महाराष्ट्र को निधि का आवंटन

3197. डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:
श्री निलेश ज्ञानदेव लंके:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में विशेषकर महाराष्ट्र में उन रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है जहां अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत पुनर्विकास कार्य पूरा कर लिया गया है और उन स्टेशनों की सूची क्या है जहां वर्तमान में उक्त कार्य प्रगति पर है;

(ख) प्रत्येक निविदा प्रदान करने की तारीख सहित उन स्टेशनों का ब्यौरा क्या है जहां सरकारी रूप से निविदाएं जारी कर दी गई हैं लेकिन अभी तक कार्य शुरू नहीं हुआ है;

(ग) उक्त योजना के कार्यान्वयन के लिए उपयोग किए जा रहे वित्तपोषण के विभिन्न साधनों का ब्यौरा क्या है और उक्त प्रत्येक साधन के अंतर्गत कितने स्टेशनों का वित्तपोषण किया जा रहा है;

(घ) उक्त योजना के प्रारंभ से लेकर अब तक महाराष्ट्र में केन्द्रीय निधि के आवंटन, जारी और उपयोग की गई कुल राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उक्त योजना के अंतर्गत उन रेलवे स्टेशनों की सूची क्या है जिनके निर्माण कार्य पूरा होने की मूल तिथि पहले ही समाप्त हो चुकी है; इसमें विलंब के क्या कारण हैं और उन्हें पूरा करने के लिए संबंधित संशोधित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य रूप से दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ का प्रावधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभा जी नगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड जं, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
		रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत महाराष्ट्र राज्य में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं। महाराष्ट्र राज्य में अब तक 17 स्टेशनों (आमगांव, बारामती, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाड और वडाला रोड) का कार्य इस योजना के तहत पूरा हो चुका है। अन्य स्टेशनों पर भी कार्य तेज गति से शुरू किए गए हैं और उपरोक्त में से कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्वी दिशा में पार्किंग का सुधार, नया प्रवेश द्वार, प्लेटफार्म नंबर 5/6 और 7/8 का प्लेटफार्म उठाना और फर्श बनाना, प्लेटफार्म नंबर

7/8 पर प्लेटफार्म शेल्टर, नया शौचालय ब्लॉक, पश्चिमी दिशा में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कल्याण छोर और मुंबई छोर पर उपरि पैदल पुल का सुधार और उपरि पैदल पुल के लिए नई सीढ़ी के निर्माण कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए 6 मीटर उपरि पैदल पुल के निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफॉर्म की सतह, बैठने की व्यवस्था, नया शौचालय ब्लॉक, बुकिंग कार्यालय का सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और उपरि पैदल पुल की सतह के सुधार के कार्य पूरे हो चुके हैं। एस्केलेटर का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- टिटवाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, प्लेटफार्म की सतह, टिकट बुकिंग कार्यालय का सुधार, शौचालय ब्लॉक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पूर्वी एवं पश्चिमी हिस्से पर दुपहिया पार्किंग और पहुँच मार्ग के सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नया 6 मीटर उपरि पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- विक्रोली स्टेशन: स्टेशन भवन के पश्चिमी हिस्से में सुधार के कार्य, प्लेटफार्म का सतहीकरण, प्लेटफार्म शेल्टर, मुंबई छोर पर नया टॉयलेट ब्लॉक, कल्याण छोर पर टॉयलेट ब्लॉक में सुधार और उपरि पैदल पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए बुकिंग कार्यालय, पूर्व और पश्चिम हिस्से में परिचलन क्षेत्र और पूर्वी हिस्से में पार्किंग के निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं।

- इगतपुरी स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रवेश द्वार, टिकट कार्यालय, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफार्म का सतहीकरण, उपरि पैदल पुल की सीढ़ियों पर प्लेटफार्म शेल्टर और एस्केलेटर, परिचलन क्षेत्र शेल्टर और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूरे हो गए हैं। नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/संभाले जाने वाला यातायात आदि के आधार पर शुरू किए जाते हैं।

निविदाओं का आबंटन साइट सक्रियता, संरचनाओं, सुविधाओं आदि का पुनर्स्थापन और उनके संबंधित स्वीकृतियों जैसे प्रारंभिक कार्यों की योजना के बाद किया जाता है। भारतीय रेल के पास परियोजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए एक सुस्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता जांच और लेखापरीक्षा शामिल हैं। कार्य विभिन्न संहिताओं और नियमावलियों में निर्धारित मानकों और विनिर्देशों का पालन करते हुए किए जाते हैं। समय-समय पर विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक टीमों द्वारा निर्धारित अनुदेशों के अनुसार निरीक्षण/लेखापरीक्षा/जांच की जाती है और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। यह एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए फायर क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल स्टेशनों का विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यत: योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत स्टेशनों के विकास एवं अनुरक्षण हेतु निधियों के आबंटन का ब्यौरा कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है। महाराष्ट्र चार रेलवे क्षेत्रों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ₹3,834 करोड़ का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) ₹3,461 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है।

****